International Conference on "**Viksit Bharat@2047: Multidisciplinary Pathways through Science, Technology, Commerce and Humanities**"
(Online, Multidisciplinary)
(10th-11th April, 2026)

Technological Innovation and Indian Knowledge Systems in Achieving Viksit Bharat 2047

Name of author[1], Name of author[2] and Name of author[3]
Name of Department, Name of University/College, Name of City- Pin code
Corresponding author email: *name@gmail.com*

Abstract

The vision of *Viksit Bharat 2047* emphasizes transforming India into a developed nation through sustainable growth, innovation, and inclusive progress. Technological innovation, when integrated with Indian Knowledge Systems (IKS), offers a unique pathway to achieving this national aspiration. India possesses a rich intellectual heritage encompassing science, mathematics, medicine, environmental ethics, governance, and holistic education, which can complement modern technological advancements. This paper explores how the convergence of emerging technologies—such as artificial intelligence, digital infrastructure, biotechnology, and green technologies—with traditional Indian knowledge can promote sustainable development, cultural continuity, and socio-economic resilience.

Indian Knowledge Systems emphasize harmony with nature, ethical living, and community-centered development, aligning closely with contemporary global goals of sustainability and responsible innovation. By incorporating indigenous knowledge into education, research, entrepreneurship, and policy frameworks, India can foster innovation that is both technologically advanced and socially rooted. The study highlights the role of interdisciplinary education, skill development, digital inclusion, and innovation ecosystems in bridging tradition with modern science. Furthermore, it argues that integrating IKS into technological progress can strengthen self-reliance, encourage grassroots innovation, and support equitable national growth.

The synthesis of technology and traditional wisdom thus emerges as a strategic framework for realizing the vision of Viksit Bharat 2047, ensuring development that is innovative, sustainable, and culturally grounded.

Keywords: Viksit Bharat 2047, Technological Innovation, Indian Knowledge Systems, Sustainable

International Conference on "**Viksit Bharat@2047: Multidisciplinary Pathways through Science, Technology, Commerce and Humanities**"
(Online, Multidisciplinary)
(10th-11th April, 2026)

विकसित भारत 2047 की प्राप्ति में तकनीकी नवाचार और भारतीय ज्ञान परंपरा

लेखक का नाम[1], लेखक का नाम[2] और लेखक का नाम[3]
विभाग का नाम, विश्वविद्यालय/कॉलेज का नाम, शहर का नाम - पिन कोड
संवहन लेखक ईमेल: name@gmail.com

सार

विकसित भारत 2047 की परिकल्पना भारत को सतत विकास, नवाचार तथा समावेशी प्रगति के माध्यम से एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने पर बल देती है। जब तकनीकी नवाचार को भारतीय ज्ञान परंपरा (Indian Knowledge Systems - IKS) के साथ एकीकृत किया जाता है, तो यह राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति हेतु एक विशिष्ट मार्ग प्रदान करता है। भारत के पास विज्ञान, गणित, चिकित्सा, पर्यावरणीय नैतिकता, शासन व्यवस्था तथा समग्र शिक्षा से समृद्ध बौद्धिक विरासत है, जो आधुनिक तकनीकी प्रगति के साथ समन्वय स्थापित कर सकती है। यह शोधपत्र इस बात का विश्लेषण करता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अवसंरचना, जैव प्रौद्योगिकी तथा हरित प्रौद्योगिकी जैसी उभरती तकनीकों का पारंपरिक भारतीय ज्ञान के साथ समन्वय किस प्रकार सतत विकास, सांस्कृतिक निरंतरता तथा सामाजिक-आर्थिक सुदृढ़ता को बढ़ावा दे सकता है।

भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकृति के साथ सामंजस्य, नैतिक जीवनशैली तथा समुदाय-केंद्रित विकास पर बल देती है, जो वर्तमान वैश्विक सततता एवं उत्तरदायी नवाचार के लक्ष्यों के अनुरूप है। शिक्षा, अनुसंधान, उद्यमिता एवं नीतिगत ढाँचों में स्वदेशी ज्ञान के समावेशन से भारत तकनीकी रूप से उन्नत तथा सामाजिक रूप से संवेदनशील नवाचार को प्रोत्साहित कर सकता है। यह अध्ययन अंतर्विषयक शिक्षा, कौशल विकास, डिजिटल समावेशन तथा नवाचार पारितंत्र की भूमिका को रेखांकित करता है, जो परंपरा और आधुनिक विज्ञान के बीच सेतु का कार्य करते हैं। साथ ही, यह प्रतिपादित करता है कि भारतीय ज्ञान परंपरा को तकनीकी विकास में समाहित करने से आत्मनिर्भरता सुदृढ़ होगी, जमीनी स्तर के नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा तथा संतुलित राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा।

इस प्रकार तकनीक और पारंपरिक ज्ञान का समन्वय विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करने हेतु एक रणनीतिक ढाँचे के रूप में उभरता है, जो नवाचारी, सतत एवं सांस्कृतिक रूप से सुदृढ़ विकास सुनिश्चित करता है।

सूचक शब्द: विकसित भारत 2047, तकनीकी नवाचार, भारतीय ज्ञान परंपरा, सतत विकास, डिजिटल परिवर्तन, स्वदेशी ज्ञान, बहुविषयक विकास, नवाचार पारितंत्र।